University in News on 31 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : प्रो. मनुका खन्ना बनीं प्रति कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग की प्रोफेसर मनुका खन्ना को लविवि का प्रति कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत्त होने के बाद प्रो. मनुका को तीन साल के लिए प्रति कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई। कुलपति के अनुमति के बाद कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किया। (संवाद)

प्रो. अरविंद अवस्थी को दी विदाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें विदाई दी गई। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि प्रो. अवस्थी ने डीन के रूप में बहुत अच्छा कार्य किया। वे एक अच्छे शिक्षक और बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। कठिन परिस्थितियों को संभालना उनको अच्छे से आता है। (संवाद)

NBT PAGE 2

प्रो. अरविंद विदा, प्रो. मुनका बनीं प्रति-कुलपति

एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी गुरुवार को रिटायर हो गए।

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अब राजनीति विज्ञान एचओडी व डीन आरएसी प्रो. मनुका खन्ना प्रति कुलपति की भूमिका निभाएंगी। इस दौरान मंथन कक्ष में कार्यक्रम आयोजित कर प्रो. अरविंद को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट किया गया। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद सिंह, एलयू प्रवक्ता प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव समेत कई लोग मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

प्रो. मनुका खन्ना को प्रति कुलपति की जिम्मेदारी मिली

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत होने के बाद प्रो. मनुका खन्ना को प्रति कुलपति पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसकी जानकारी दी। इससे पूर्व मंथन कक्ष में कुलपति की अध्यक्षता में एक समारोह का आयोजन हुआ।

इसमें कुलपति प्रो. राय ने प्रोफेसर अरविंद अवस्थी को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रोफेसर अवस्थी अच्छे अकैडमिशियन, शिक्षक और बहु आयामी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने कहा कि प्रोफेसर अवस्थी के अंदर कभी अहंकार दिखाई नहीं पड़ा।

एलयू से ही पढ़ी हैं प्रो. मनुका खन्ना

राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष प्रो. मनुका खन्ना के पास वर्तमान में डीन आरएसी का भी पद है। उन्होंने एलयू से 1987 में परास्नातक और 1992 में पीएचडी किया था।

JAGRAN CITY PAGE III

प्रो. मनुका खन्ना बनीं लवि की 19वीं प्रति कुलपति

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग की प्रोफेसर एवं डीन रिक्रूटमेंट एंड असिस्मेंट सेल प्रोफेसर मनुका खन्ना को प्रति कुलपति पद की जिम्मेदारी दी गई है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के आदेश पर कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिया। वह विश्वविद्यालय की 19वीं प्रति कुलपति नियुक्त की गई हैं। प्रो.मनुका खन्ना का कार्यकाल तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अग्रिम आदेशों तक (जो भी पहले हो) मान्य होगा।

प्रो. मनुका खन्ना ने लवि से 1987 में एम.ए की पढ़ाई की। वर्ष 1990 में उन्होंने राजनीति शास्त्र विभाग में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यभार संभाला। उसके बाद यहीं से वर्ष 1992 में पीएच.डी की डिग्री ली। अप्रैल 2021 से 2024 तक वह विभाग की अध्यक्ष भी रहीं। उनकी चार किताबें व कई शोध पत्र भी प्रकाशित हो चुके हैं। वह शुक्रवार को कार्यभार ग्रहण करेंगी। गौरतलब है कि लवि में प्रति कुलपति बनाए जाने की व्यवस्था 1979 से शुरू हुई थी। प्रो. जीएस मिश्रा पहले प्रति कुलपति के रूप में नियुक्त किए गए थे।

प्रो. अरविंद सेवानिवृत्त

लवि के प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष में गुरुवार को मंथन कक्ष में समारोह आयोजित किया गया। कुलपति ने उन्हें स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट कर उनके साथ कार्य करने का अनुभव साझा किया। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, प्रोफेसर आंचल श्रीवास्तव, प्रोफेसर राकेश द्विवेदी आदि ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

लवि नए सत्र में देगा शिक्षकों शोधार्थियों को पुरस्कार

जासं, लखनऊ : लवि की ओर से अनुसंधान उत्कृष्टता में बूस्ट पुरस्कार-2022-23 के लिए मांगे गए आवेदन पत्रों में सबसे ज्यादा उद्दीपन अवार्ड के लिए 100 से ज्यादा दावेदार हैं। वहीं, प्रोत्साहन में 23 और एक्लिम में तीन आवेदन आए। अब विश्वविद्यालय ने गाइडलाइन के अनुसार चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रोत्साहन अवार्ड के प्राप्त आवेदन एक्सपर्ट के पास रिव्यू के लिए भेजे गए हैं। चयनित शिक्षकों, शोधार्थियों को नए सत्र में विश्वविद्यालय समारोह आयोजित कर यह अवार्ड देगा।

लवि में आज आवेदन का अंतिम मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय के स्नातक व स्नातक प्रोफेशनल कोर्सों में दाखिले के लिए 31 मई तक अंतिम मौका है। विश्वविद्यालय में लगभग 4250 सीटों पर प्रवेश के लिए 29 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी। अभी प्रवेश परीक्षा की तिथि तय नहीं है।

PIONEER PAGE 3

प्रो. मनुका खन्ना बनी एलयू की प्रतिकुलपति, प्रो. अवस्थी सेवानिवृत्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गये। उनके सेवानिवृत्त होने के उपरांत विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की तरफ से राजनीतिशास्त्र विभाग की वरिष्ठ प्रोफेसर और डीन, एआरसी प्रो. मनुका खन्ना को विवि का नया प्रति कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. खन्ना के पास डीन, एआरसी का भी कार्यभार रहेगा।

सेवानिवृत होने के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष मे कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में एक समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति ने सबसे पहले प्रोफेसर अरविंद अवस्थी को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट किया और कहा कि प्रोफेसर अवस्थी के साथ कार्य करने का अनुभव बड़ा सुखद रहा। डीन के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा कार्य किया, समय से वह क्लास लेते थे, एक अच्छे एकेडमिशियन एक अच्छे शिक्षक और बहु आयामी व्यक्तित्व के स्वामी है। कुलसचिव डॉ विनोद सिंह ने कहा कि प्रोफेसर अवस्थी सहज और सरल व्यक्तित्व के स्वामी है। इतने महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने के बाद भी उनके अंदर किसी प्रकार का कोई अहंकार मुझे दिखाई नहीं पड़ा। इसके पश्चात प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव, प्रोफेसर आंचल श्रीवास्तव, प्रोफेसर राकेश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने कहा कि कुलपति ने मुझ पर जो विश्वास किया वह मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग रहा। बता दें कि प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1982 में बीए, 1984 में एमए और 1992 में पीएचडी पूर्ण किया है। प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने अपने छात्र जीवन और शिक्षक जीवन के अनुभव को भी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

सेवानिवृत्त हुए लविवि के प्रो. अरविंद अवस्थी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रति कुलपति के पद पर सेवा दे रहे प्रोफेसर अरविंद अवस्थी सेवानिवृत हो गए। उनके सम्मान में कुलपति प्रो. आलोक राय ने एक समारोह का आयोजन किया।

इस मौके पर प्रो. राय ने कहा कि प्रो. अवस्थी के साथ कार्य करने का अनुभव बड़ा सुखद रहा। डीन के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा कार्य किया, समय से वह क्लास लेते थे, एक अच्छे अकैडमिशियन, एक अच्छे शिक्षक और बहु आयामी व्यक्तित्व के स्वामी है। इतने महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने के बाद भी उनके अंदर किसी प्रकार का कोई अहंकार मुझे दिखाई नहीं पड़ा। बता दें अरविंद अवस्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1982 में बी ए, 1984 में एमए और 1992 में पीएचडी पूर्ण किया। प्रो.अवस्थी ने अपने छात्र जीवन और शिक्षक जीवन के अनुभव को भी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके 80 लेक्चर यूट्यूब पर भी उपलब्ध हैं।

TOI PAGE 2

LU entrance test for UG courses in June, result in July

Lucknow: The Lucknow University is likely to conduct an entrance test for admission to its undergraduate courses in June. As per the admission brochure uploaded by LU on its official website, the tentative entrance test date is scheduled from June 15-25, the results of which are expected to be announced on July 7.

The online application window for UG admission will close on Friday. "All candidates seeking admission in UG programmes have to clear the undergraduate entrance test on multiple choice question-based pattern in which a candidate has to answer 100 questions in 90 minutes," said LU spokesperson Durgesh Srivastava. TNN

LOKSATYA PAGE 3

लखनऊ विवि के प्रो अरविंद अवस्थी हुए सेवानिवृत

शिक्षा

● प्रो मनुका बनी प्रति कुलपति

लखनऊ, लोकसत्य। प्रति कुलपति प्रो अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष मे कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में समारोह हुआ। कुलपति प्रो आलोक ने कहा कि प्रो अरविंद अवस्थी के साथ कार्य करने का अनुभव बड़ा सुखद रहा।

डीन के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा कार्य किया। प्रतिबद्धता से समय से क्लास लेते रहे। अच्छे अकैडमिशियन एक अच्छे शिक्षक और बहुआयामी व्यक्तित्व के स्वामी है। कठिन से कठिन परिस्थितियों को संभालना उनको अच्छे से आता है। कुलपति जी ने कहा ?पद पर आना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना काम करने के बाद पद से जाना? क्योंकि उसके बाद ही लोग आपका मूल्यांकन करते हैं।कुलसचिव डॉ विनोद सिंह ने कहा कि प्रो अवस्थी सहज और सरल व्यक्तित्व के स्वामी है। इतने महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने के बाद भी उनके अंदर किसी प्रकार का कोई अहंकार मुझे दिखाई नहीं पड़ा।

प्रो मुकुल श्रीवास्तव, प्रो आंचल श्रीवास्तव, प्रो राकेश द्विवेदी आदि ने विचार व्यक्त किए। प्रो अरविंद अवस्थी ने सभी का आभार जताया। प्रो अरविंद ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1982 में बी ए, 1984 में एम ए और 1992 में पीएचडी पूर्ण किया। प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने अपने छात्र जीवन और शिक्षक जीवन के अनुभव को भी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके 80 लेक्चर यूट्यूब पर हैं जिसके 120000 views है।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि की प्रतिकुलपति बनीं मनुका खन्ना

● लविवि के कुलपति ने प्रतिकुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी की विदाई समारोह में की घोषणा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी के सेवानिवृत होने के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय के मंथन कक्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में एक समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। इसके साथ ही कुलपति ने अगले प्रतिकुलपति के रूप में प्रो. मनुका खन्ना का नाम घोषित कर दिया।

कुलपति ने सबसे पहले प्रोफेसर अरविंद अवस्थी को पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्रम भेंट किया और कहा कि प्रोफेसर अवस्थी के साथ कार्य करने का अनुभव बड़ा सुखद रहा। डीन के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा कार्य किया, समय से वह क्लास लेते थे, एक अच्छे अकैडमिशियन एक अच्छे शिक्षक और बहु आयामी व्यक्तित्व के स्वामी है। कठिन से कठिन परिस्थितियों को संभालना उनको अच्छे से आता है। कुलपति ने कहा, पद पर आना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना काम करने के बाद पद से जाना क्योंकि उसके बाद ही लोग आपका मूल्यांकन करते हैं। कुलसचिव डॉ विनोद सिंह ने कहा कि मैं कुलपति के विचारों से पूर्ण रूप से सहमत हूं। प्रोफेसर अवस्थी सहज और सरल व्यक्तित्व के स्वामी है। इतने महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने के बाद भी उनके अंदर किसी प्रकार का कोई अहंकार मुझे दिखाई नहीं पड़ा।

इसके बाद प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव, प्रोफेसर आंचल श्रीवास्तव, प्रोफेसर राकेश द्विवेदी आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किया। प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने कहा कि मैं किन शब्दों में आप सबका और कुलपति का धन्यवाद दूं। कुलपति ने मुझ पर जो विश्वास किया वह मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अंग रहा। प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने लखनऊ विश्वविद्यालय से 1982 में बीए, 1984 में एमए और 1992 में पीएचडी पूर्ण किया। प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने अपने छात्र जीवन और शिक्षक जीवन के अनुभव को भी उपस्थित लोगों के साथ साझा किया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके 80 लेक्चर यूट्यूब पर हैं जिसके 120000 वियूज है। अंत में प्रो. अवस्थी ने यह शेर कहते हुए अपनी बात को समाप्त किया- कुछ रिश्तों में मुनाफा नहीं होता, लेकिन वह जिंदगी को अमीर कर जाते हैं। इसके बाद कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय की अगली प्रति कुलपति प्रोफेसर मनुका खन्ना होंगी। प्रो मनुका खन्ना राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष रही है और वर्तमान में डीन आरएसी के रूप में कार्यरत है। उनके पास प्रति कुलपति के दायित्व के साथ डीन आरएसी का भी दायित्व रहेगा।